

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--सण्ड 3---उपसण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 518] नई बिल्ली, बृहस्पतिबार, विसम्बर 14, 1972/बप्रहायस 23, 1894 No. 518] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 14, 1972/AGRAHAYANA 23, 1894

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 14th December 1972

S.O. 746(E)/18FB/IDRA/72.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development S.O. 431(E)/18A/IDRA/72, dated the 16th June, 1972, the management of the industrial undertaking known as M/s. Associated Industries (Assam) Limited, Chandrapur (Spinning Unit) (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years up to and inclusive of the 15th June, 1977;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the schedule industry, namely, the cotton textile industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F.3/15/72-C.U.C.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

भौद्योगिक विकास मेलालय

(श्रौद्योगिक विकास विभाग)

ग्रासे श

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1972

का० श्रा० 746 (श्र)/18 च ख/श्राई०डी०श्रार०ए०/72.—यत: भारत सरकार के ग्रौद्योगिक विकास मंत्रालय के ग्रादेश का० श्रा० 431 (ई) 18ए/श्राई० डी० श्रार० ए०/72, विनांक 16 जून, 1972 द्वारा मैंसर्स एसोसियेटेड एंडस्ट्रीज (श्रामाम) लिभिटेड, चन्द्रपुर्दू (स्पिनिग यूनिट) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उचत श्रौद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के नाम से श्रात श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1965 का 65) की घारा 18क के श्रधीन पांच वर्ष की श्रवधि तक श्रौर जिसम 15-6-1977 भी सम्मिश्तत है ग्रहण कर लिया गया है;

और यत: केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उनत औद्योगिक उपत्रम के बारे में जनसाधारण के हित में श्रनुसूचित उद्योग, श्रर्थात्, सूती वस्त्र उद्योग, के उत्पादन के परिणाम में कभी को रोकने की दृष्टि से ऐसा करना श्रावश्यक है;

भतः भव उक्त श्रिष्ठित्यम की धारा च, ख की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषणा करती है कि इस भ्रावेश के जारी होने की तारीख के ठीक प्रवृत्त (बैकों और विसीय संस्थाभों के प्रतिभृत दायित्व से सम्बन्धित से भिन्न) सभी संविदाभों, संपत्ती के हस्तान्तरण-पत्नों, करारो, व्यवस्थापन्नों, श्रिधिनिर्णयों, स्थायी अदिशों या भ्रन्य लिखतों का प्रवर्तन जिनका उक्त भौद्योगिक उपक्रम या ऐसे श्रौद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व करने वाली कोई कम्पनी पक्षकार है या जो ऐसे श्रौद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू है एक वर्ष की भ्रवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व तब्धीन उत्पन्न या उद्भूत होने वाले सभी ग्रिधिकार, विशेषाधिकार, वाभ्यताएं भौर दायित्व उक्त भ्रवधि के लिए निलंबित रहेगे।

[सं० फा० 3/15/72-सी यू० सी०] के० एस० भटनागर, संयुक्त समित्र ।